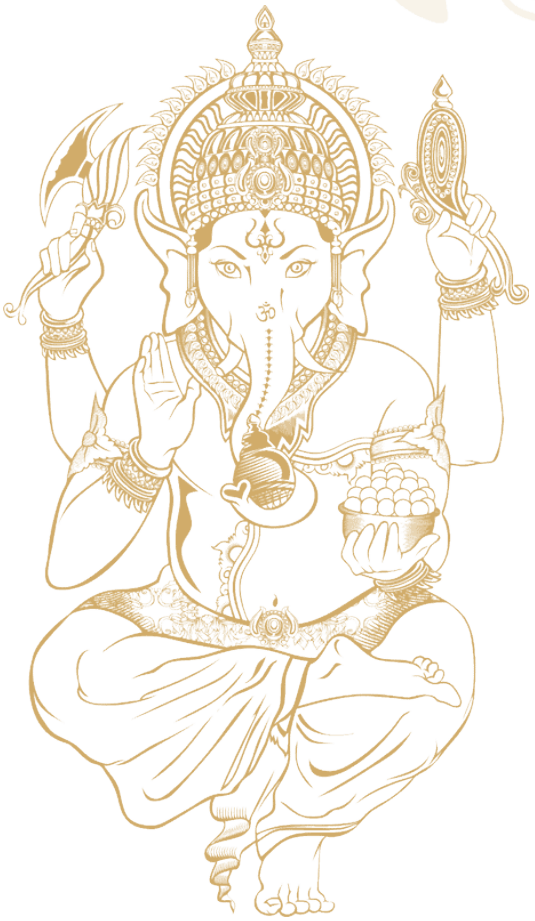

Ashish

Manvika

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121055101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121055101 Date: 26/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/09/1999	जन्म तिथि	31/05/2000
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 09:20:00	जन्म समय	22:00:00 घंटे
घटी 07:31:55	जन्म समय(घटी)	41:16:04 घटी
India	देश	India
Bhatinda	स्थान	Noida
30:10:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
74:58:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:30:08	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:19:14	सूर्योदय	05:23:03
18:24:59	सूर्यास्त	19:13:07
23:50:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:30

तुला	लग्न	धनु
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	मेष
शनि	राशि-स्वामी	मंगल
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	भरणी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
1	चरण	3
शूल	योग	अतिगण्ड
वणिज	करण	वणिज
से-सेनजित	जन्म नामाक्षर	ले-लेखा
तुला	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
सिंह	योनि	गज
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	मध्य
मेष	वर्ग	मृग

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 15वर्ष 9मा 27दि		14:56:34	तुला	लग्न	धनु	26:11:04	शुक्र 7वर्ष 11मा 11दि	
शनि		06:48:55	कन्या	सूर्य	वृष	16:39:04	मंगल	
23/07/2015		20:08:41	कुंभ	चंद्र	मेष	21:22:02	13/05/2024	
22/07/2034		20:05:40	वृश्चि	मंगल	वृष	25:25:48	14/05/2031	
शनि	25/07/2018	19:03:25	कन्या	बुध	मिथु	08:22:58	मंगल	09/10/2024
बुध	03/04/2021	09:40:16	मेष व	गुरु	मेष	29:33:56	राहु	27/10/2025
केतु	13/05/2022	28:00:33	कर्क	शुक्र	वृष	13:43:58	गुरु	03/10/2026
शुक्र	13/07/2025	22:46:54	मेष व	शनि	मेष	29:14:31	शनि	12/11/2027
सूर्य	25/06/2026	18:11:41	कर्क व	राहु व	कर्क	01:38:11	बुध	08/11/2028
चन्द्र	24/01/2028	18:11:41	मक व	केतु व	मक	01:38:11	केतु	07/04/2029
मंगल	04/03/2029	19:21:18	मक व	हर्ष व	मक	26:56:59	शुक्र	07/06/2030
राहु	09/01/2032	07:50:46	मक व	नेप व	मक	12:34:21	सूर्य	13/10/2030
गुरु	22/07/2034	14:14:42	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	17:42:40	चन्द्र	14/05/2031

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:50:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:30

लग्न-चलित

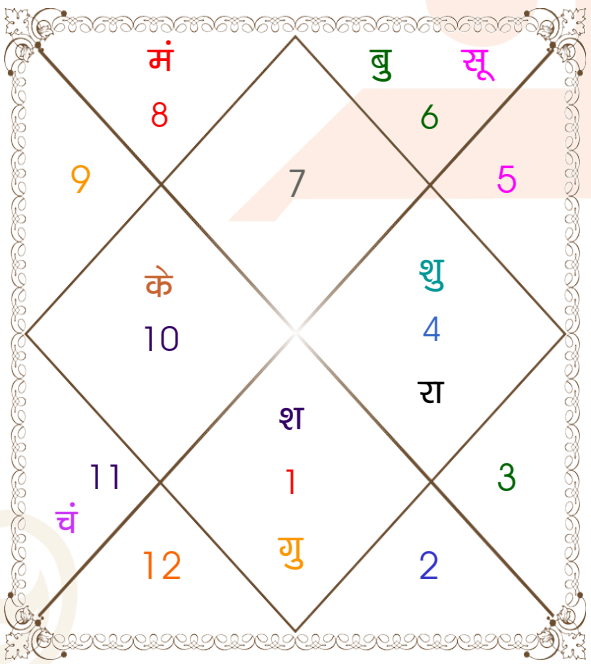

लग्न-चलित

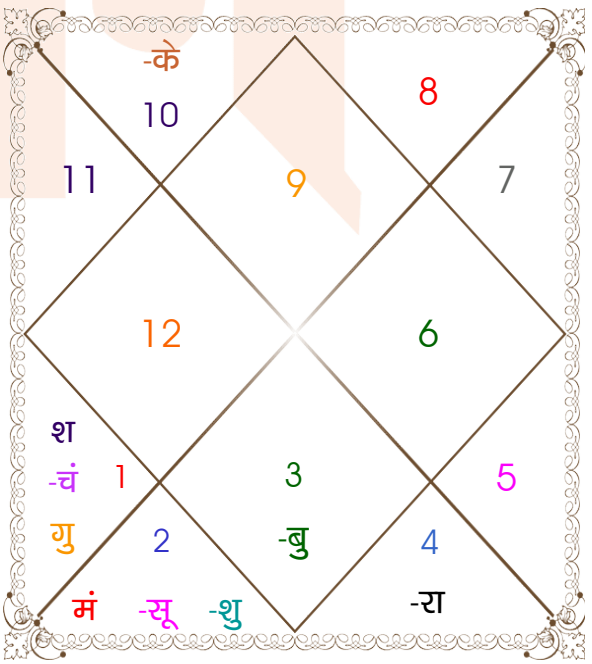

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गज	4	0.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	मंगल	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

कुल : **24 / 36**

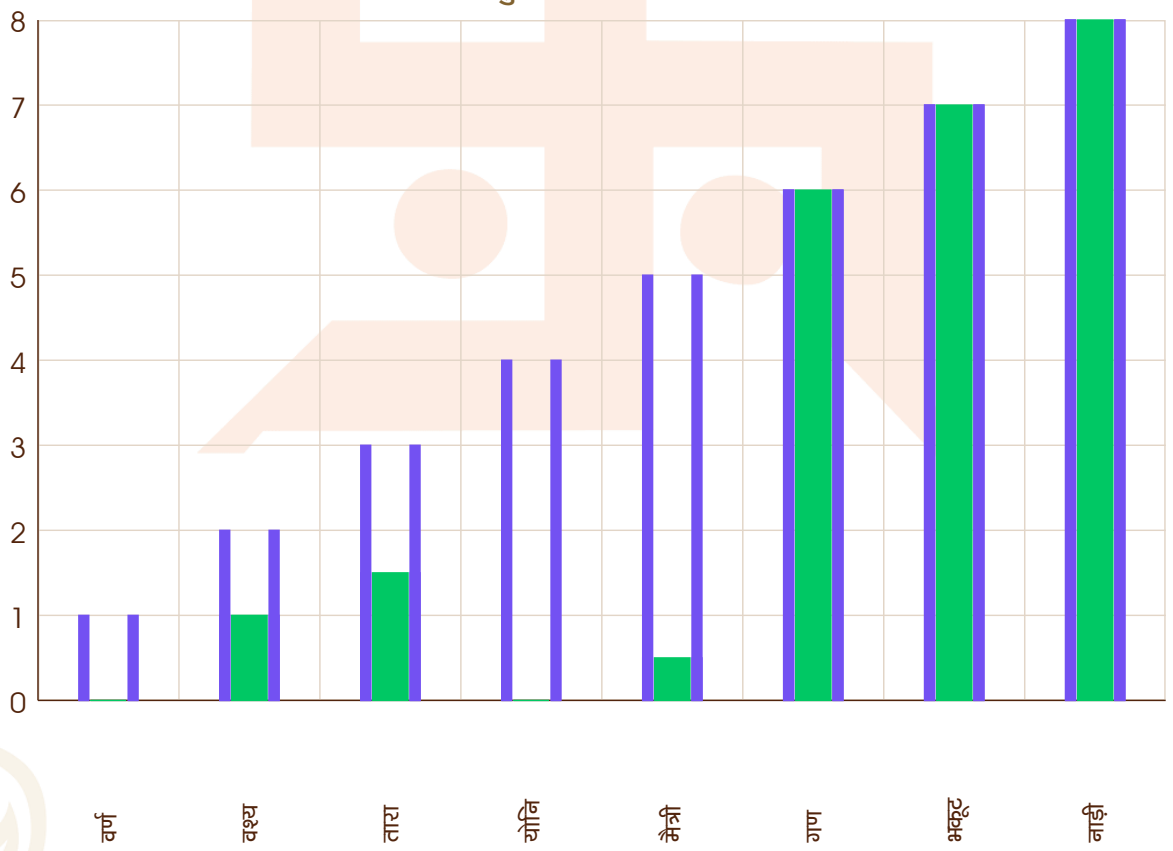

अष्टकूट मिलान

Ashish का वर्ग मेष है तथा Manvika का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ashish और Manvika का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ashish मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Manvika मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

Ashish तथा Manvika में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ashish का वर्ण शूद्र है तथा Manvika का वर्ण क्षत्रिय है। इसमें Manvika का वर्ण Ashish के वर्ण से नीचा नहीं है अतः यह मिलान उत्तम मिलान नहीं है। जिसके कारण Manvika अति वर्चस्वशाली होगी तथा सिर्फ आज्ञा देने वाली होगी। दोनों के बीच सदैव संघर्ष एवं तर्क-वितर्क का दौर चलता रह सकता है तथा दोनों के बीच कभी-कभी मार-पीट भी हो सकती है। Manvika का आक्रामक व्यवहार परिवार के सभी सदस्यों का जीना दूभर कर सकता है। परिवार में सुख-शान्ति की स्थापना के लिए Ashish को उसकी हर बात माननी होगी तथा गुलाम की भाँति रहना पड़ेगा।

वश्य

Ashish का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Manvika का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि जानवर एवं मनुष्य के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद अलग-अलग होते हैं फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में जीवन व्यतीत करते हैं। फलस्वरूप Ashish एवं Manvika दोनों प्रेम एवं सौहार्द के साथ एक-दूसरे के साथ जीवन व्यतीत कर सकेंगे। Manvika अपने पति की हर आज्ञा शिरोधार्य करेगी तथा बदले में Ashish अपनी पत्नी की देखभाल करेगा तथा उसे प्रेम प्रदान करेगा।

तारा

Ashish की तारा साधक तथा Manvika की तारा प्रत्यरि है। Manvika की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। संभाव है कि यह विवाह Ashish एवं उसके परिवार के लिए हानिकारक साबित हो। Manvika का स्वभाव बिल्कुल लापरवाह, स्वार्थी एवं असहयोग की भावना वाली हो सकती है तथा भविष्य मे अपने स्वार्थ की पूर्ति करने में ही लगी रह सकती है। साथ ही Manvika के अवैध संबंध तक भी हो सकते हैं जिसके फलस्वरूप पति, बच्चों एवं संपूर्ण परिवार को काफी कष्ट एवं पीड़ा का सामना कर पड़ सकता है। Ashish अत्यधिक आध्यात्मिक हो सकता है तथा अपना अधिकांश समय आध्यात्मिक गतिविधियों में ही व्यतीत करता रहेगा।

योनि

Ashish की योनि सिंह है तथा Manvika की योनि गज है । अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच परस्पर शत्रुता का संबंध है। अतः यह मिलान बहुत बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच अक्सर घरेलू हिंसा होती रहेगी। समय-समय पर एक दूसरे पर आघात भी कर सकते हैं। दोनों के बीच प्रेम एवं सौहार्द का अभाव बना रहेगा। दोनों के बीच परस्पर संदेह की भावना बनी रहगी। वैवाहिक जीवन में स्थिति मुकदमेबाजी तक भी जी सकती है। दोनों के बीच अलगाव की चाह भी हो सकती है। एक घर में रहकर स्थिति तलाक जैसी बनी रह सकती है। परस्पर अविश्वास की भावना के कारण वैवाहिक

जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है। अतः अपने वैवाहिक जीवन को बचाये रखने के लिए दोनों को परस्पर विश्वास व सहयोग की आवश्यकता है अन्यथा घरेलू हिंसा होने के कारण चोट भी लग सकती है। वैचारिक मतभेदों को बुद्धि बल तथा समझदारी से निपटाना चाहिये अन्यथा लड़ाई झगड़े से किसी भी समस्या का हल निकाल पाना असंभव है।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ashish का राशि स्वामी Manvika के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Manvika का राशि स्वामी Ashish के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

Ashish का गण मनुष्य तथा Manvika का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

Ashish से Manvika की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Manvika से Ashish की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Ashish अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Manvika सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

नाड़ी

Ashish की नाड़ी आद्य है तथा Manvika की नाड़ी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का मिलान अति उत्तम माना जाता है क्योंकि इसमें जीवन के तीन आवश्यक घटकों में से दो वात एवं पित्त का समन्वय है। जीवन के अस्तित्व के लिए वात एवं पित्त का समन्वय आवश्यक है। जिसके कारण आपकी संतान काफी बुद्धिमान, स्वस्थ, मानसिक रूप से दृढ़ एवं सौभाग्यशाली होंगी। जो भौतिकवादी विश्व में सुविधा संपन्न जीवन जीने के लिए आवश्यक है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ashish की जन्म राशि वायुतत्व युक्त कुम्भ तथा Manvika की राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है। वायुतत्व एवं अग्नि तत्व में नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इन दोनों के मध्य स्वभावगत समानताएं होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा रहेगा।

Ashish की राशि का स्वामी शनि तथा Manvika की राशि का स्वामी मंगल परस्पर सम एवं शत्रु है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह ग्रह स्थिति विशेष अच्छी नहीं रहेगी। इसके प्रभाव से Ashish और Manvika के मध्य परस्पर मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति विशेष प्रेम सहानुभूति तथा सहयोग के भाव में भी न्यूनता रहेगी जिससे सुख दुख में एक दूसरे को अल्प मात्रा में ही सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे अतः परस्पर विरोध एवं वैमनस्य के भाव में वृद्धि होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखमय नहीं रहेगा।

Ashish और Manvika की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भावों में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे की कमियों की अपेक्षा गुणों पर ध्यान देंगे जिससे परस्पर सहयोग प्रेम एवं सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा तथा एक दूसरे का पूर्ण ध्यान रखने में तत्पर रहेंगे। अतः Ashish और Manvika को परस्पर सामंजस्य के भाव से कार्य लेना चाहिए।

Ashish का वश्य मानव तथा Manvika का वश्य चतुष्पद है। अतः मानव एवं चतुष्पद के मध्य नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भिन्न रहेंगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Ashish का वर्ण शूद्र तथा Manvika का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Ashish की प्रवृति किसी भी कार्य को करने में प्रवृत रहेगी परन्तु Manvika साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को ही सम्पन्न करेंगी। कार्य क्षमता में असमानता के कारण Ashish और Manvika को यदा कदा परस्पर मतभेदों का सामना करना पड़ेगा। अतः वैवाहिक जीवन समान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

धन

Ashish और Manvika की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Ashish और Manvika की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Manvika एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सटटे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Ashish की नाड़ी आद्य तथा Manvika की नाड़ी मध्य है। अतः यह मिलान नाड़ी दोष से मुक्त रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा सुख पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में सफल होंगे। साथ ही Ashish और Manvika के स्वास्थ्य पर मंगल का भी कोई दुष्प्रभाव नहीं है जिससे दोनों सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे। इस प्रकार यह मिलान उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को परिश्रम तथा पराक्रम से सम्पन्न करेंगे जिससे जीवन में खुशहाली तथा सन्तुष्टि बनी रहेगी।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Ashish और Manvika का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Ashish और Manvika के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Manvika के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Manvika को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Manvika को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Ashish और Manvika सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Ashish और Manvika का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Manvika के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Manvika भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Manvika भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Manvika को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Ashish के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Ashish अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Ashish का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Ashish का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Ashish तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Ashish के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।